भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4682

दिनांक 21 अगस्त, 2025 को उत्तरार्थ

.....

भारत-डच कार्यनीतिक जल साझेदारी

4682. श्री एंटो एन्टोनी:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारत-डच कार्यनीतिक जल साझेदारी की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) इसके अंतर्गत कौन-कौन सी प्रमुख परियोजनाएं आरम्भ की गई हैं;

(ग) उक्त प्रत्येक परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(घ) उक्त साझेदारी के अंतर्गत सरकार द्वारा अब तक आवंटित और उपयोग की गई कुल निधि का परियोजना-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री
(श्री राज भूषण चौधरी)

(क) से (घ): भारत और नीदरलैंड के बीच रणनीतिक जल साझेदारी (एसडब्ल्यूपी) का उद्देश्य नीति विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, ज्ञान संस्थानों, निजी कंपनियों और समुदायों/हितधारकों की अधिक भागीदारी के माध्यम से चल रहे द्विपक्षीय सहयोग को तेज और विस्तारित करना है। एसडब्ल्यूपी ने जल पर भारत-डच उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की परिकल्पना की है। तदनुसार, शहरी जल और नदी प्रबंधन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों, नदी की गतिशीलता के प्रबंधन और मॉडलिंग, जल की गुणवत्ता और नदी अर्थव्यवस्था और वित्त की निगरानी और मॉडलिंग पर ध्यान केंद्रित करते हुए आईआईटी (दिल्ली) और नीदरलैंड सरकार के सहयोग से एक उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना की गई है।

सीओई शहरी नदी प्रबंधन योजनाओं की तैयारी, प्रदूषण उपशमन अवसंरचना की निगरानी आदि जैसी पहलों में सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है।

10 वर्षों के लिए सीओई हेतु संस्थागत व्यवस्था के लिए 36.23 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन ने जुलाई 2025 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली को 5.98 करोड़ रुपये जारी किए हैं।

*****